परास्नातक संस्कृत कार्यक्रम (एम.ए.संस्कृत)
(एम.एस.के.)

सत्रीय कार्य (Assignment)

(जुलाई, 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : **MSK-001**
संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

परास्नातक संस्कृत कार्यक्रम (एम.ए.संस्कृत)
(एम.एस.के.)

संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

सत्रीय कार्य (2023–24)

पाठ्यक्रम कोड : MSK-001/2023-24

प्रिय छात्रों/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है, इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जॉच स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य यह जॉचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, इसी का मूल्यांकन करना इस सत्रीय कार्य का उद्देश्य है, यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है बल्कि अध्ययन के दौरान जो कुछ सिखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। यह उद्देश्य है।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये–

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे प्रदर्शित है:

अनुक्रमांक :.....
नाम :.....
पता :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....
सत्रीय कार्य कोड :.....
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....
दिनांक :.....

3) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का प्रयोग करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
4) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निम्न निर्धारित तिथि तक तवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अन्तिम तिथि :
जुलाई 2023 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2024
जनवरी 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगाः

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। पुनः इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी महत्वपूर्ण बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए तथा प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।
3. यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
   क) आपका उत्तर तार्किक एवं क्रमबद्ध हो।
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्टता हो।
   ग) दिया गया उत्तर आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) कोई भी उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक न हो।
   ड.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों।
4. **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएं, तो उसको साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
5. **विशेषः** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

सत्रीय कार्य

MSK–001 संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

पाठ्यक्रम कोड –MSK: 001
पाठयक्रम शीर्षक – संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य
सत्रीय कार्य – MSK – 001/TMA 2023–2024

पूर्णांक – 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

1. अधोलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :–

20x3= 60

(क) अस्य ग्रन्थस्य काव्याङ्.गतया काव्यफलैरेव फलवत्त्वमिति काव्यफलान्याह –

चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि
काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते।।

चतुर्वर्गफलप्राप्तिर्हि काव्यतो ''रामादिवत्प्रवर्तितव्यं न रावणादिवत्'' इत्यादि कृत्याकृत्यप्रवृत्तिनिवृत्त्युपदेशद्वारेण सुप्रतीतैव
उक्तं च (भामहेन)–

''धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।
करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धनम्''।। इति

अथवा

''अदोषं गुणवत्काव्यमलङ्.कारैरलङ्.कृतम्।
रसान्वितं कविः कुर्वन् कीर्तिं प्रीतिं च विन्दति''।।
इत्यादीनामपि काव्यलक्षणत्वमपास्तम्।

ध्वनिकार आचार्य आनन्दवर्धन के काव्य–लक्षण का खण्डन
यत्तु ध्वनिकारेणोक्तम्– ''काव्यस्यात्मा ध्वनिः'' इति तत्किं वस्तवलङ्.काररसादिलक्षणस्त्रिरूपो ध्वनिः काव्यस्यात्मा, उत रसादिरूपमात्रो वा ? नाद्यः, – प्रहेलिकादावतिव्याप्तेः। द्वितीयश्चेदोमिति ब्रूमः।

(ख) मन्दं मन्दं नुदति पवनश्चानुकूलो यथा त्वां
वामश्चायं नदति मधुरं चातकस्ते सगन्धः।
गर्भाधानक्षणपरिचयान्नूनमाबद्धमालाः
सेविष्यन्ते नयनसुभगं खे भवन्तं बलाकाः।।

अथवा

तामुत्थाप्य स्वजलकणिकाशीतलेनानिलेन
प्रत्याश्वस्तां सममभिनवैर्जालकैर्मालतीनाम्।
वक्तुं धीरः स्तनितवचनैर्मानिनीं प्रक्रमेथाः।।

(ग) ऋग्वेदं सामवेदं गणितमथ कलां वैशिकीं हस्तिशिक्षां,
ज्ञात्वा शर्वप्रसादाद् व्यपगततिमिरे चक्षुषी चोपलभ्य।
राजानं वीक्ष्य पुत्रं परमसमुदयेनाश्वमेधेन चेष्ट्वा,
लब्ध्वा चायुः शताब्दं दशदिनसहितं शूद्रकोऽग्निं प्रविष्टः।

अथवा
खलचरित निकृष्ट जातदोषः कथमिह मां परिलोभसे धनेन।
सुचरितचरितं विशुद्धदेहं न हि कमलं मधुपाः परित्यजन्ति ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 2X10= 20

क) प्रमुख खण्ड काव्यों का विस्तारपूर्वक परिचय दें।
ख) साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य लक्षण पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।
ग) काव्य की परिभाषा देते हुए काव्य के प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
घ) प्रमुख ऐतिहासिक काव्यों पर प्रकाश डालें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2X5= 10

(क) वासवदत्ता (ख) यक्षिणी
(ग) यक्ष (घ) चारुदत्त

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। 2X5= 10

(क) अर्थ प्रकृतियाँ (ख) धीरोदात्त नायक
(ग) पंचसंध्या (घ) भरतवाक्य